

संपादकीय

लाभकारी खेती की दिशा में एक और कदम

केन्द्र सरकार ने रवीं फसलों के अंतर्गत गेहूं, रेपसीड, सरसों, मसूर, जौ और कुसुम फूल के लिए न्यूतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिये हैं। यह घोषणा कई कौशिंहों से महत्वपूर्ण है। सबसे पहली बात तो यही है कि अग्री खरीद कफाल की काटीं शुरू नहीं हुई है और रवीं फसल को बोले जाने के लिए उन्हें अर्थ यह है कि सरकार यह चाहती है कि किसान रवीं फसल बोले के पहले यह जान लें वह 22-23 में किस फसल के लिए यह न्यूतम मूल्य होगा और यह जानकर वे बिगत ले कि उन्हें बोले सी फसल लेने में ज्यादा फायदा है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इस समय बाजार में सरसों, रेपसीड और मसूर की दाल के मूल्य रेटिंग्सिक ऊँचाई पर हैं और किसान इस दिशित का लाभ लेकर पारंपरिक खाद्यालय की उपज लेने से कुछ हटकर तिलहन और तिलहन की उपज लेने का विषय हो सकता है। इस बार सरकार ने पिछले वर्ष की तुलना में न्यूतम समर्थन मूल्य गेहूं के लिए मामूली तौर पर 2 प्रतिशत ज्यादा, दाल के लिए 7.8 प्रतिशत ज्यादा और तिलहन के लिए 8.6 प्रतिशत ज्यादा बढ़ायें हैं। मसूर की दाल, रेपसीड और सरसों के मूल्य में सभी अधिक बढ़ायी राह सौ रुपये प्रति किलोटल की गई है। घरें के मूल्य में एक सौ तीस रुपये प्रति किलोटल और कुसुम के फूल के मूल्य में एक सौ चैदह रुपये प्रति किलोटल की बढ़ोतरी की गई है। गेहूं का मूल्य चालीस रुपये प्रति किलोटल और जौ का पैसीस रुपये प्रति किलोटल मूल्य बढ़ाया गया। न्यूतम समर्थन मूल्य इस तरह विधिरित किए गए हैं जिससे किसानों को उनकी फसल के लिए उत्पादन लागत को देखते हुए अधिकतम कीमत मिले। उत्पादन लागत का विवार करते समय मजदूरी, बैल या मशीनों से जुटाई, भग्नी के किरणेय, बीज, खाद, सिंचाई, डीजल, बिजली आदि के खर्चों को तो शामिल किया ही गया है, बड़ी बात यह है कि इसमें परिवार के द्वारा किये जाने वाले श्रम के मूल्य को भी ध्यान में रखा गया है। कोशिश यह की गई है कि किसान खेती पर जितना खर्च करता है उसके उपर को अधिक लाभ मिल सके। इस तरह गेहूं, रेपसीड और सरसों के उत्पादन से 100 प्रतिशत लाभ, चना के उत्पादन से 74 प्रतिशत लाभ, जौ के उत्पादन से 60 प्रतिशत लाभ और कुसुम के फूल के उत्पादन से 50 प्रतिशत लाभ होने का अनुमान है। इस कदम का एक उद्देश्य यह भी है कि तिलहन, तिलहन और मोटे अनाज के न्यूतम समर्थन मूल्य में एकरूपता लाई जाए ताकि इन फसलों की खेती बढ़ सके। सरकार का एक और प्रयास यह है कि खाद्य तेलों का घेरू उत्पादन बढ़ और उसके आयात पर नियंत्रण कम हो। इस लिहाज से किसानों को तिलहन का उत्पादन बढ़ावें को प्रेरित किया जा रहा है। कृषि उत्पादन के मानने में भारत का विधि में स्थान दूसरा है। पिछले कुछ समय में भारत की औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में तीव्र प्रगति के कारण जीड़ी में कृषि का योगदान लगभग 15 प्रतिशत है। बहरहाल, यह गैर करने की बात है कि कोटिंड महामारी के दौरान जब पूरी अर्थव्यवस्था नीचे जा रही थी तब कृषि के क्षेत्र में जीड़ी पी 3.4 प्रतिशत बढ़ी थी। यह कठोर सर्वांगी यह दिल्ली की भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व सर्वोपरि है। इतना ही नहीं, भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विधियों में भी कृषि और कृषक का स्थान अत्यंत सम्मानित है। बहरहाल, इस दिशित का एक विशेषाधारी पहल यह है कि हमारे कष्टकों से 82 प्रतिशत लघु और सीमांत शक्तक हैं जो अपने खेतों के छोटे-छोटे आकार, बाजार की अनिश्चितता, बिचैत्यों का कृष्यक और राज्यों के विषयान संबंधी कानूनों के माइक्रोजल के कारण गरीबी से उत्तर नहीं पाते हैं। और यही कारण है कि यह वर्ष हमारे समाज का सबसे घोषित और पैदित वर्ष है। इस पिछले सात सालों में केन्द्र सरकार ने आम तौर पर सभी कृषकों की अधिक मजबूती के लिए काफ़ उत्तराए हैं। बहरहाल, सरकार के इन कदमों का प्रमुख उद्देश्य लग्नु और तीमांत किसानों की अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराना है जिससे वे शोषण और गरीबी से मुक्त हो सकें।

- डॉ. दुश्मिनि विवेदी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फोटो-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, गुरुवार 16 सितंबर 2021

www.nyaysakshi.com

दो नई आईपीएल टीमों के लिए 17 अक्टूबर को हो सकती है नीलामी



नई दिल्ली 1। भारतीय क्रिकेट कंप्लेन बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आईपीएल 2022 सीजन के लिए दो नई टीमों की नीलामी आगामी 17 अक्टूबर को की जा सकती है। नीलामी की संभावित तारीख दुर्बिल में आईपीएल फाइनल के लिए दो नई टीमों के मध्ये होने वाली नीलामी होने की संभावना है। यह पुष्टि की गई है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के बोले दुर्बिल या मस्कट में हो सकती है। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के बालों में संभावित पारियों का लाभ लेकर पारंपरिक खाद्यालय की उपज लेने से कुछ हटकर तिलहन और तिलहन की उपज लेने का विषय हो सकता है। इस बार सरकार ने पिछले वर्ष की तुलना में न्यूतम समर्थन मूल्य गेहूं के लिए मामूली तौर पर 2 प्रतिशत ज्यादा, दाल के लिए 7.8 प्रतिशत ज्यादा और तिलहन के लिए 8.6 प्रतिशत ज्यादा बढ़ायें हैं। मसूर की दाल, रेपसीड और सरसों के मूल्य में सभी अधिक बढ़ायी राह सौ रुपये प्रति किलोटल और कुसुम के फूल के मूल्य में एक सौ चैदह रुपये प्रति किलोटल की बढ़ोतरी की गई है। घरें के मूल्य में एक सौ तीस रुपये प्रति किलोटल की बढ़ोतरी की गई है।

यह भी सामने आया है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के बाली घेरते दो टीमों का पालन किया जाएगा।

21 सितंबर, पांच अक्टूबर और 17 अक्टूबर को लेकर सूचित किया है। 21 सितंबर तक स्पैशिकरण मांगा जा सकता है, जबकि आईटीटी (निवादा का निमंत्रण) दस्तावेज़ पांच अक्टूबर तक खारीद के लिए उपलब्ध होगा और 17 अक्टूबर को फाइनल के लिए नीलामी होने की संभावना है। यह पुष्टि की गई है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के मध्ये होने वाली नीलामी होने की संभावना है। यह पुष्टि की गई है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के मध्ये होने वाली नीलामी होने की संभावना है। यह पुष्टि की गई है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों के मध्ये होने वाली नीलामी होने की संभावना है।

यह भी सामने आया है कि बीसीसीआई ने बोली घेरते दो टीमों का पालन किया जाएगा।

यूबीआई को मिला 1.5 अरब डॉलर की सुविधा वाला सरटेनेबिलिटी लिंकड लोन

नई दिल्ली 1। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग इकाई के माध्यम से 1.5 अरब



डॉलर का सिडिकेट सुविधा वाले सरटेनेबिलिटी लिंकड लोन वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र में कुछ बैंकों में शामिल हो गया है, जो महत्वाकांक्षी पर्यावरणीय और जिम्मेदार ऋण प्राप्त करने, अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में अपने परिसंपत्ति आधार में सिंधु राष्ट्रीय विभिन्न संस्कृतों के बीच आधारित गतिशीलता वाले जाने वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

उदाहरकर्ता द्वारा भुगतान की जाने वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच आधारित गतिशीलता वाले वाली व्याज दर घटेगी या बढ़ेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एशिया प्रशांत क्षेत्र के बीच